भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4480

जिसका उत्तर 27 मार्च, को दिया जाना है। 2025

.....

यमुना की सफाई के लिए निधि का आवंटन और तकनीकी नवाचार

4480. श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा इस वर्ष यमुना नदी की सफाई और पुनरुद्धार के लिए आवंटित कुल निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) यमुना की सफाई के लिए जैव-उपचार, स्वस्थाने शोधन अथवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियों सहित शामिल की जा रही नई प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) यमुना के किनारे वर्तमान में कितने मल-जल शोधन संयंत्र (एसटीपी) निर्माणाधीन हैं, उनकी क्षमता कितनी है और इनके पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है;

(घ) मौजूदा एसटीपी के प्रभावी कार्यकरण और रख-रखाव को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ङ) क्या कोई निष्पादन लेखापरीक्षा की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) नदी में अशोधित अपशिष्ट जल छोड़ने वाली औद्योगिक इकाइयों और नगर पालिकाओं के विरुद्ध क्या उपाय किए गए/किए जा रहे हैं, और उन पर कितना जुर्माना लगाया गया है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): नमामि गंगे कार्यक्रम के बजटीय प्रावधान में यमुना नदी की सफाई और संरक्षण के लिए अलग से कोई आबंटन नहीं है। तथापि, जनवरी, 2024 से फरवरी, 2025 तक, 151 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवेज उपचार क्षमता के निर्माण के लिए 696.71 करोड़ रूपये की लागत से कुल तीन (03) परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। नमामि गंगे कार्यक्रम द्वारा सीवेज प्रबंधन के क्षेत्र में कई नवाचार जैसे इंटरसेप्शन और डायवर्जन ऐप्रोच, एचएएम-आधारित दृष्टिकोण, 15 वर्ष के लिए संचालन और रखरखाव (ओ एण्ड एम) दृष्टिकोण आदि शुरू किया गया है।

(ग) और (घ): यमुना नदी के संरक्षण के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) के अंतर्गत, 6,407.36 करोड़ रूपये की लागत से 2,243.25 एमएलडी सीवेज उपचार क्षमता के निर्माण के लिए 34 परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। इनमें से, 19 परियोजना पूरी हो चुकी है। चल रहीं परियोजनाओं की सूची **अनुलग्नक** में दी गई है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत सभी परियोजनाओं में 17 वर्षों (02 वर्षों का निर्माण चरण और 15 वर्षों का संचालन और रखरखाव चरण) के जीवन चक्र के साथ प्रदूषण को कम करने की अवसंरचना के लिए मौजूदा व्यय के साथ-साथ भविष्य की प्रतिबद्धता (वार्षिकी भुगतान/संचालन एवं रखरखाव खर्च) भी शामिल है।

(ङ): राज्य सरकार प्रदूषण कम करने की परियोजना संबंधी प्रगति रिपोर्ट मासिक रूप से प्रस्तुत करते हैं, जिसमें संबंधित राज्यों की प्रत्येक सीवेज उपचार संयंत्रों का कार्य-निष्पादन शामिल होता है। इन रिपोर्टों में विनियामक मानदंडों के साथ अनुपालन/ गैर-अनुपालन के संबंध में प्रत्येक एसटीपी का कार्य-निष्पादन शामिल है। केंद्रीय निगरानी समिति के समक्ष राज्यों द्वारा इन रिपोर्टों को प्रस्तुत किया जाता है और अपेक्षित निर्देश जारी किये जाते हैं। इन रिपोर्टों में यमुना नदी की एसटीपी भी शामिल है।

(च): नमामी गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) के तहत, औद्योगिक प्रदूषण को कम करने के लिए एनएमसीजी द्वारा 3 सामान्य बहिःस्राव उपचार संयंत्र (सीईटीपी) स्वीकृत किए गए हैं, अर्थात जाजमऊ सीईटीपी (20 एमएलडी), बंथर सीईटीपी (4.5 एमएलडी) और मथुरा सीईटीपी (6.25 एमएलडी)। इनमें से दो परियोजनाएं, मथुरा सीईटीपी (6.25 एमएलडी) और जाजमऊ सीईटीपी (20 एमएलडी) पूरी हो चुकी हैं।

इसके अतिरिक्त, औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी रखने के लिए, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/प्रदूषण नियंत्रण समितियों के सहयोग से वर्ष 2017 में अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) का वार्षिक निरीक्षण शुरू हुआ। निरीक्षण के सातवें दौर में, 4,246 अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) की सूची बनाई गई है। सभी जीपीआई का निरीक्षण किया गया है। अभी तक इनमें से 4,000 जीपीआई पर कार्रवाई पूरी हो चुकी है, 2,682 जीपीआई अनुपालन कर रहे हैं, 517 अनुपालन नहीं कर रहे हैं, 523 जीपीआई अस्थायी रूप से बंद हैं, और 278 जीपीआई स्थायी रूप से बंद हैं। अनुपालन न करने वाले (517 जीपीआई) में से, 26 जीपीआई को बंद करने के लिए नोटिस जारी किया गया है और 491 जीपीआई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2017 में बीओडी भार 26 टन प्रति दिन (टीपीडी) से घटकर वर्ष 2023 में 13.73 टीपीडी हो गया है, तथा बहिःस्राव निर्वहन में लगभग 28.6% की कमी आई है, जो वर्ष 2017 में 349 एमएलडी से घटकर वर्ष 2023 में 249.31 एमएलडी हो गया है।

*****

अनुलग्नक

"यमुना की सफाई के लिए निधि का आवंटन और तकनीकी नवाचार" विषय पर दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 4480 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

नमामि गंगे के अंतर्गत यमुना नदी में चल रहीं परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम	उपचार क्षमता (एमएलडी में)	स्वीकृत लागत (करोड़ रूपये में)	अनुमानित पूर्णता (वर्ष)
उत्तर प्रदेश				
1	आगरा में पुनर्वास कार्य के साथ इंटरसेप्शन और डायवर्जन	177.6	842.25	2025
2	मज्जफ्फरपुर नगर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	54.50	234.03	2026
3	मथुरा में शेष नालों के लिए इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	60	292.56	2026
4	छाता में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	6	56.15	2026
5	कोसी में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	12	66.59	2026
6	वृंदावन में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	13	77.7	2026
7	हाथरस में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	24	128.91	2026
8	सहारनपुर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	135	577.23	2026
9	बनात में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	5	48.71	2026
10	बाबरी और बंतखेड़ा में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	5	55.47	2026
11	थानाभवन में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	10	97.19	2026
12	शामली में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	40	206.02	2026
13	देवबंध में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	20	134.71	-
14	अलीगढ़ में इंटरसेप्शन और डायवर्जन एवं एसटीपी कार्य	113	496.02	-
दिल्ली				
1	564 एमएलडी (124 एमजीडी) अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का निर्माण	564	665.78	2025

*****